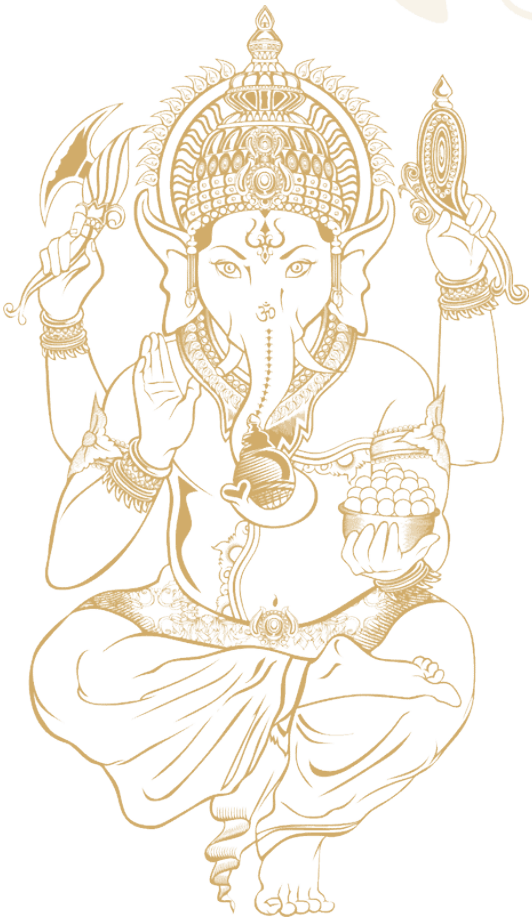

Mr.

Ms.

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119004701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119004701 Date: 07/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/12/1994	जन्म तिथि	2-03/05/2000
सोमवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 17:33:00	जन्म समय	00:48:00 घंटे
घटी 27:01:08	जन्म समय(घटी)	48:25:58 घटी
Nepal	देश	India
Kathmandu	स्थान	Sardarshahr
27:05:00 उत्तर	अक्षांश	28:30:00 उत्तर
85:04:00 पूर्व	रेखांश	74:30:00 पूर्व
86:15:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:44	स्थानिक संस्कार	-00:32:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:44:32	सूर्योदय	05:50:46
17:11:52	सूर्यास्त	19:07:37
23:47:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:26
मिथुन	लग्न	मकर
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मीन	राशि	मेष
गुरु	राशि-स्वामी	मंगल
रेवती	नक्षत्र	अश्विनी
बुध	नक्षत्र स्वामी	केतु
3	चरण	1
वरियान	योग	प्रीति
गर	करण	विष्टि
चा-चाणक्य	जन्म नामाक्षर	चू-चुन्नी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
गज	योनि	अश्व
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	सिंह

MANWENDRA SHARMA
Nepal Adhyatimk Jyotish Sansthan
9851036217, 9801136217

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 5वर्ष 5मा 1दि		02:20:48	मिथु	लग्न	मक	07:37:06	केतु 6वर्ष 9मा 2दि	
शुक्र		26:26:09	वृश्चि	सूर्य	मेष	18:49:06	शुक्र	
15/05/2007		25:44:53	मीन	चंद्र	मेष	00:27:46	04/02/2007	
15/05/2027		06:12:47	सिंह	मंगल	वृष	05:26:24	04/02/2027	
शुक्र	14/09/2010	25:31:18	वृश्चि	बुध	मेष	11:29:14	शुक्र	05/06/2010
सूर्य	14/09/2011	06:52:03	वृश्चि	गुरु	मेष	22:44:29	सूर्य	05/06/2011
चन्द्र	15/05/2013	14:54:12	तुला	शुक्र	मेष	08:13:11	चन्द्र	03/02/2013
मंगल	15/07/2014	12:50:08	कुंभ	शनि	मेष	25:33:02	मंगल	05/04/2014
राहु	15/07/2017	20:35:51	तुला	राहु व	कर्क	03:54:53	राहु	05/04/2017
गुरु	15/03/2020	20:35:51	मेष	केतु व	मक	03:54:53	गुरु	05/12/2019
शनि	15/05/2023	00:36:52	मक	हर्ष	मक	26:45:35	शनि	04/02/2023
बुध	15/03/2026	28:05:04	धनु	नेप	मक	12:42:26	बुध	04/12/2025
केतु	15/05/2027	05:02:36	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:26:54	केतु	04/02/2027

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:23 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:26

लग्न-चलित

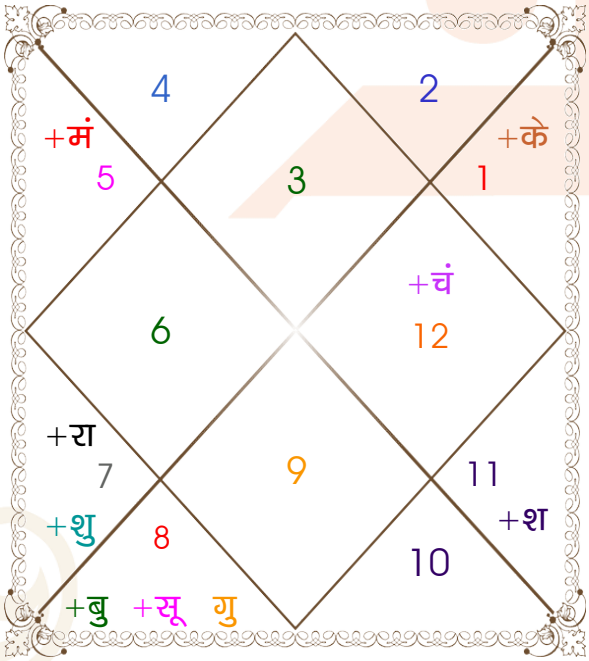

लग्न-चलित

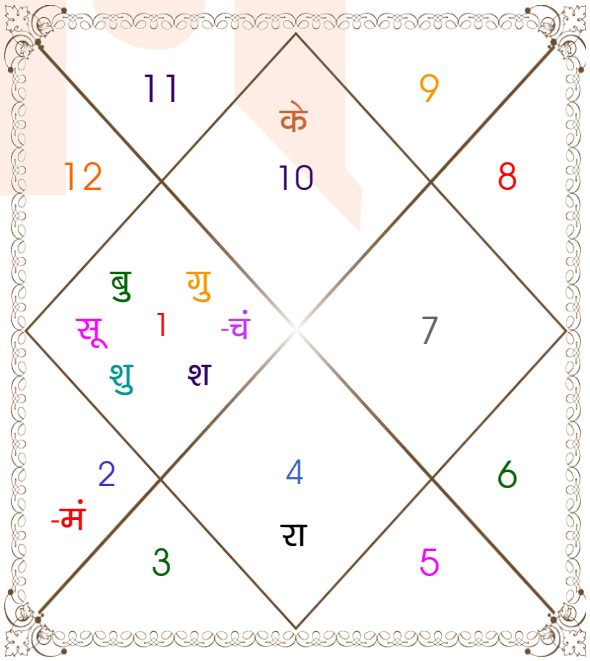

MANWENDRA SHARMA
Nepal Adhyatimk Jyotish Sansthan
9851036217, 9801136217

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : **26 / 36**

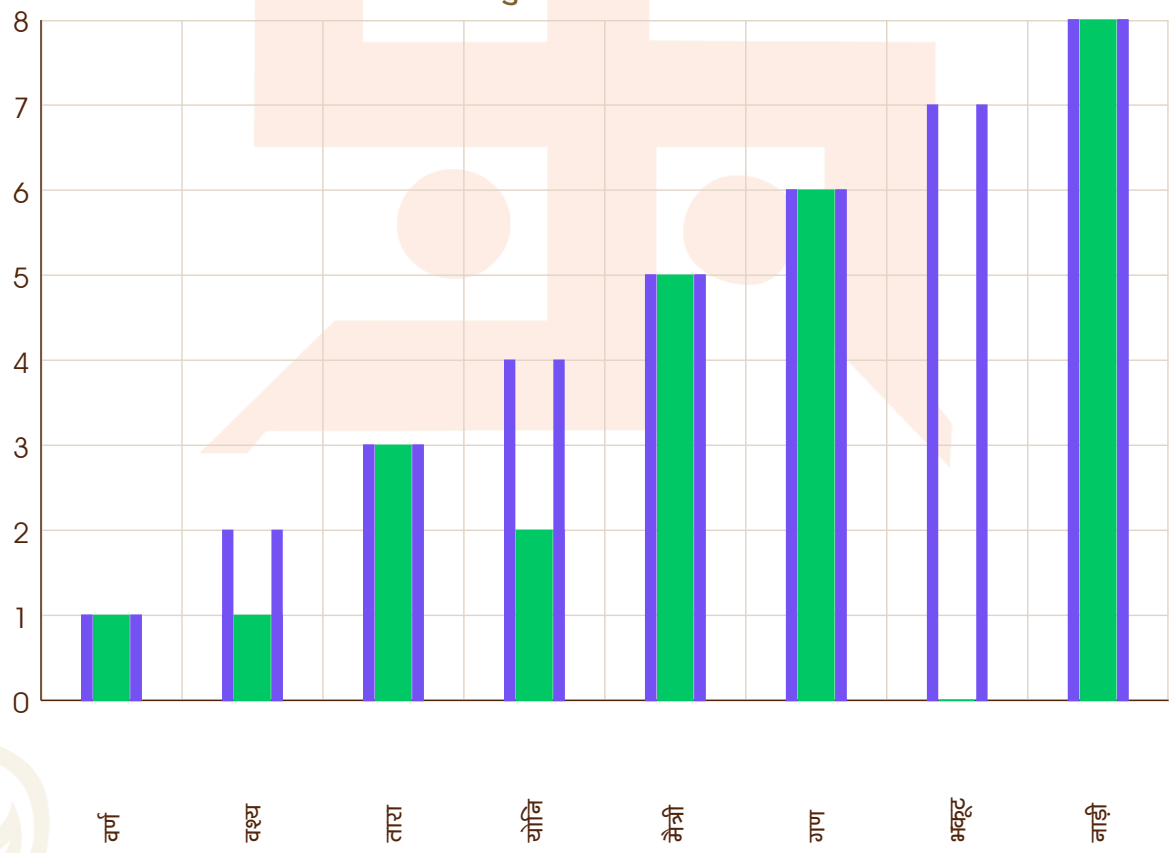

MANWENDRA SHARMA
Nepal Adhyatimk Jyotish Sansthan
9851036217, 9801136217

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms. का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Ms. में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Ms. आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Ms. सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

Mr. का वश्य जलचर है एवं Ms. का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Mr. की तारा अतिमित्र तथा Ms. की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Mr. हमेशा Ms. के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Mr. की योनि गज है तथा Ms. की योनि अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी

विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. एवं Ms. के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr. एवं Ms. जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr. का गण देव तथा Ms. का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr. से Ms. की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Ms. से Mr. की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Mr. गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Ms. समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Mr. शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Mr. की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान

नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Mr. की अन्त्य नाड़ी तथा Ms. की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. की जन्मराशि जलतत्व युक्त मीन तथा Ms. की राशि अग्नितत्व युक्त मेषराशि है। जल एवं अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनमें स्वभावगत विषमता रहेगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता की न्यूनता रहेगी अतः यह मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

Mr. की जन्मराशि का स्वामी बृहस्पति तथा Ms. की राशि का स्वामी मंगल परस्पर मित्रराशियों में स्थित हैं । अतः इसके प्रभाव से इनके दाम्पत्य संबंधो में मधुरता रहेगी तथा परस्पर प्रेम आकर्षण सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। ये दोनों अच्छे मित्रों की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः मतभेद एवं वैमनस्य के भाव की न्यूनता रहेगी तथा एक आदर्श एवं सौभाग्यशाली दम्पति के रूप में अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करेंगे।

Mr. और Ms. की राशियां परस्पर द्वितीय तथा द्वादश भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह एक भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभप्रभावों में न्यूनता आएगी तथा अशुभ प्रभावों में वृद्धि होगी फलतः आपसी संबंधों में यदा कदा तनाव मतभेद तथा विरोध के भाव की उत्पति होगी जिससे दाम्पत्य संबंधो में तनाव उत्पन होगा तथा पारिवारिक अशान्ति भी बनी रहेगी परन्तु Mr. और Ms. दोनों बुद्धिमता एवं सामंजस्य की प्रवृति का भी अनुपालन भी करेंगे।अतः अशुभ प्रभावों में न्यूनता आ सकती है।

Mr. का वश्य जलचर तथा Ms. का वश्य चतुष्पद है। अतः इनमें नैसर्गिक विषमता के कारण इनकी अभिरूचियों में अन्तर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएँ भिन्न होंगी। साथ ही कामसम्बंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं संतुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे। अतः सम्बंध तनाव युक्त रहेंगे।

Mr. का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms. का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Mr. की प्रवृति धार्मिक तथा शैक्षणिक कार्यो में रहेगी परन्तु Ms. साहसिक तथा पराक्रमी कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी फलतः कार्य क्षेत्र में भी स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

Ms. की तारा सम्पत तथा Mr. की तारा अतिमित्र है। इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता बनी रहेगी। Ms. धनवान एवं भाग्यवान होंगी तथा Ms. के सौभाग्य से Mr. की आर्थिक स्थिति नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेगी। Mr. और Ms. दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में स्थित है जो भकूट दोष माना जाता है। लेकिन मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया Mr. और Ms. समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Ms. की प्रवृति अत्यधिक व्ययशील होगी तथा भौतिक साधनों में वह काफी व्यय करेंगी लेकिन उनकी सुदृढ़ आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा समस्त सुखों का उपभोग करते हुए इनका जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

स्वास्थ्य

Mr. की नाड़ी अन्त्य तथा Ms. की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक Mr. और Ms. अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति की दृष्टि से Mr. और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Mr. और Ms. को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Mr. और Ms. के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Ms. का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Ms. के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Ms. सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Mr. और Ms. को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Mr. और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ms. के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Ms. अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Ms. पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms. अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Mr. तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr. के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से Mr. के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण Mr. के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।